

बिहार के खुरमा, तलिकुट और बालूशाही को GI टैग दिलाने की कोशिश

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नाबार्ड के महाप्रबंधक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि नाबार्ड बिहार के खुरमा, तलिकुट और बालूशाही को जीआई टैग दिलाने में मदद करेगा।

प्रमुख बंदि

- डॉ. सुनील ने बताया कि जीआई टैग दिलाने हेतु नाबार्ड द्वारा इन मठिइयों की वशिषताओं और उनके स्रोत की जानकारी प्राप्त करने के बाद उत्पादकों से आवेदन करने के लयि कहा जाएगा।
- गौरतलब है कि बिहार में गया का तलिकुट, सीतामढी की बालूशाही और भोजपुर ज़िले के उदवंतनगर का खुरमा अत्यधिक प्रसदिध है।
- बिहार के कई उत्पादों को पहले से ही GI टैग प्रदान कयिा जा चुका है, जनिका वविरण नमिन् प्रकार है-
 - भागलपुरी जरदालू आम
 - कतरनी चावल
 - मगही पान
 - शाही लीची
 - मधुबनी पेंटगि
 - पपिली कार्य